भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 4773

दिनांक 28 मार्च, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

टेलीमेडिसिन सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए नई पहल

4773. श्री गोपाल जी ठाकुरः

श्री सौमित्र खानः

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने बिहार और पश्चिम बंगाल में टेलीमेडिसिन सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए कोई नई पहल की है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी जिलावार ब्यौरा क्या है;

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) उक्त पहल से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार में किस प्रकार सहायता मिलने की संभावना है; और

(ङ) क्या स्वास्थ्य क्षेत्र में टेलीमेडिसिन सेवाओं से समाज के गरीब वर्ग को लाभ मिला है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ङ): जी हाँ, ई-संजीवनी राष्ट्रीय टेलीमेडिसिन सेवा है जिसे वर्ष 2019 में बिहार और पश्चिम बंगाल सहित सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में शुरू किया गया है, जिसका उद्देश्य सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) हासिल करना है।

बिहार और पश्चिम बंगाल के लिए जिलेवार विवरण क्रमशः अनुलग्नक-I और अनुलग्नक-II में संलग्न हैं।

इसे दो प्रकारों में लागू किया गया है:

I. ई-संजीवनी एबी-एएएम: यह एक प्रदाता-से-प्रदाता टेलीमेडिसिन प्रणाली है, जिसे नवंबर 2019 में शुरू किया गया था और यह हब और स्पोक मॉडल पर आधारित है।

II. ई-संजीवनी ओपीडी: यह एक रोगी-से-प्रदाता टेलीमेडिसिन प्रणाली है, जिसे अप्रैल 2020 में शुरू किया गया था, ताकि नागरिकों को अपने घरों की सीमा में बहिरंग रोगी सेवाएँ प्राप्त करने में सक्षम बनाया जा सके ताकि प्रदाता-से-रोगी को सुरक्षित परामर्श प्रदान किया जा सके।

बिहार राज्य में दिनांक 23.03.2025 तक 53 हब और 9,104 स्पोक्स के माध्यम से ई-संजीवनी एएएम में कुल 2,14,54,053 परामर्श आयोजित किए गए हैं और पश्चिम बंगाल राज्य में दिनांक 23.03.2025 तक 98 हब और 10,414 स्पोक्स के माध्यम से ई-संजीवनी एएएम में कुल 5,47,61,553 परामर्श आयोजित किए गए हैं।

ई-संजीवनी को समावेशी और सुलभ मंच के रूप में डिज़ाइन किया गया है, जो सभी को निःशुल्क टेली-परामर्श सेवाएँ प्रदान करता है, यह सुनिश्चित करता है कि आर्थिक रूप से वंचित लोग भी गुणवत्तापरक स्वास्थ्य सेवा का लाभ उठा सकें। तथापि, यह प्लेटफ़ॉर्म रोगियों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को रिकॉर्ड नहीं करता है, लेकिन इसका व्यापक रूप से अपनाया जाना, विशेष रूप से ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में, यह दर्शाता है कि कई वंचित व्यक्तियों ने वित्तीय बाधाओं के बिना आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं की सुलभता प्राप्त की है।

अनुलग्नक -I

क्र.सं.	जिले का नाम	कार्यात्मक स्पोक*	कार्यात्मक एचयूबी*	एएएम परामर्श	ओपीडी परामर्श
1	अररिया	228	1	4,39,646	5,531
2	अरवल	63	1	2,26,369	612
3	औरंगाबाद	199	1	4,30,520	1,412
4	बांका	224	1	2,80,453	1,192
5	बेगूसराय	228	2	5,24,987	1,701
6	भागलपुर	322	1	9,65,185	5,627
7	भोजपुर	272	2	8,17,503	1,350
8	बक्सर	185	1	3,57,609	1,340
9	दरभंगा	265	1	6,55,686	1,803
10	गया	415	1	7,26,643	1,912
11	गोपालगंज	198	1	8,12,295	1,196
12	जमुई	220	1	4,33,628	689
13	जहानाबाद	100	1	2,09,700	504
14	कैमूर (भभुआ)	165	1	5,24,196	1,755
15	कटिहार	271	2	6,59,876	8,758
16	खगरिया	140	1	3,95,855	1,608
17	किशनगंज	231	1	3,82,629	667
18	लखीसराय	103	1	3,27,822	1,629
19	मधेपुरा	226	1	3,63,172	807
20	मधुबनी	282	1	7,11,051	3,111
21	मुंगेर	191	1	5,72,925	1,799
22	मुजफ्फरपुर	344	3	7,85,624	3,599
23	नालन्दा	356	1	6,13,244	2,890
24	नवादा	201	1	3,12,950	730
25	पश्चिम चंपारण	378	1	7,88,197	6,190
26	पटना	463	5	12,05,190	6,354
27	पूर्वी चंपारण	302	1	6,13,415	2,148
28	पूर्णिया	437	1	7,25,593	4,303
29	रोहतास	245	1	5,14,240	2,627
30	सहरसा	156	1	4,03,425	1,486
31	समस्तीपुर	337	1	6,86,807	4,937
32	सारण	317	1	8,52,409	3,473
33	शेखपुरा	109	6	2,28,128	482
34	शिवहर	76	1	2,00,269	386
35	सीतामढ़ी	147	1	3,86,761	3,590
36	सिवान	251	1	8,79,307	4,560
37	सुपौल	174	1	3,83,260	2,481
38	वैशाली	283	2	10,57,484	2,078
	कुल	9,104	53	2,14,54,053	97,317

*जिन स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों ने कम से कम एक बार परामर्श आयोजित किया है, उन्हें कार्यात्मक माना जाता है।

अनुलग्नक-II

क्र.सं.	जिले का नाम	कार्यात्मक स्पोक*	कार्यात्मक एचयूबी*	एएएम परामर्श	ओपीडी परामर्श
1	अलीपुरद्वार	223	3	10,86,896	208
2	बांकुड़ा	598	6	29,65,803	793
3	बीरभूम	501	5	21,01,011	557
4	कूचबिहार	429	3	22,59,639	267
5	दक्षिण दिनाजपुर	282	3	19,00,523	248
6	दार्जिलिंग	148	5	5,08,729	403
7	हुगली	678	3	27,99,271	1,326
8	हावड़ा	506	3	36,00,409	883
9	जलपाईगुड़ी	261	3	10,78,956	377
10	झारग्राम	205	3	10,25,400	132
11	कलिम्पोंग	35	2	1,77,655	71
12	कोलकाता	157	15	4,97,344	3,958
13	मालदह	459	3	15,80,991	558
14	मुर्शिदाबाद	668	3	25,05,102	1,039
15	नादिया	488	3	30,28,638	2,288
16	उत्तर 24 परगना	765	6	46,47,550	3,361
17	पश्चिम बर्धमान	244	3	13,51,444	1,016
18	पश्चिम मेदिनीपुर	726	5	44,05,949	704
19	पूर्ब बर्धमान	585	3	31,17,746	986
20	पूर्ब मेदिनीपुर	740	5	55,54,306	650
21	पुरुलिया	410	4	16,36,770	289
22	दक्षिण 24 परगना	1034	6	57,32,585	1,590
23	उत्तर दिनाजपुर	272	3	11,98,836	251
	कुल	10,414	98	5,47,61,553	21,955

*जिन स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों ने कम से कम एक बार परामर्श आयोजित किया है, उन्हें कार्यात्मक माना जाता है।

*****